पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल से राजभवन में गणतंत्र दिवस परेड, नई दिल्ली में प्रतिभाग करने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं ने शिष्टाचार भेंट की

राज्यपाल ने एन0एस0एस0 स्वयंसेवकों को मेडल प्रदान कर किया सम्मानित

राज्यपाल ने गुजरात एन0एस0एस0 कैंप के अनुभव साझा किए, समाज सेवा को बताया सर्वोपरि

एन0एस0एस0 स्वयंसेवकों के सामाजिक योगदान की सराहना, युवाओं को देश सेवा के लिए किया प्रेरित

स्वच्छता को अपनी आदत बनाएं युवा

नशा मुक्ति और दहेज प्रथा उन्मूलन अभियान में स्वयंसेवक करें सक्रिय भागीदारी

स्वामित्व योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि विवादों का हो रहा समाधान

-राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 06 **मार्च**, 2025

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से आज राजभवन में गणतंत्र दिवस परेड, नई दिल्ली में प्रतिभाग करने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के **12** स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं और दलनायक डॉ. प्रीति ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल जी ने एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में परिवर्तन लाने के लिए सबसे पहले स्वयं को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने गुजरात में एनएसएस कैंप के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वहां के स्वयंसेवक किस प्रकार समाज सेवा में समर्पित थे। उन्होंने कहा कि वे अपने विश्वविद्यालय और छात्रावास में स्वच्छता अभियान चलाएं, जिससे अन्य विद्यार्थी भी प्रेरित होकर इसमें शामिल हों। स्वच्छता युवाओं की आदत बननी चाहिए। राज्यपाल जी ने माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वच्छ भारत अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि युवाओं को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और अपने परिसरों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवकों से समाज की समस्याओं को पहचान कर उनके समाधान के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

राज्यपाल जी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का उदाहरण देते हुए कहा कि वे स्वयं साफ-सफाई किया करते थे और स्वच्छता को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा मानते थे। उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि वे भी स्वच्छता को अपनी आदत में शामिल करें और समाज में भी गरूकता फैलाएं। राज्यपाल जी ने यह भी कहा कि राष्ट्रपिता ने समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने के लिए अनेक कार्य किए। उन्होंने अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान चलाया और समानता का संदेश दिया। राज्यपाल जी ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे भी समाज में किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने में योगदान दें और एक समरस समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

राज्यपाल जी ने स्टूडेंट पुलिस कैडेट (एस**0**पी**0**सी**0)** कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि इसे प्रधानमंत्री जी ने इस उद्देश्य से शुरू किया है ताकि भारत के युवाओं में अनुशासन, नैतिकता और कर्तव्यनिष्ठा का विकास हो। एसपीसी से जुड़कर विद्यार्थी समाज सेवा, कानून व्यवस्था की समझ और नेतृत्व क्षमता विकसित कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं को अनुशासन के महत्व को समझाते हुए कहा कि उनकी सेवा भावना आजीवन बनी रहनी चाहिए।

ज्ञातव्य है कि राज्यपाल जी की प्रेरणा से प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी नशा मुक्ति और दहेज प्रथा के खिलाफ साइकिल रैली एवं जनजागरण अभियान चला रहे हैं। इसी संदर्भ में राज्यपाल जी ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे भी इस अभियान से जुड़ें और समाज को इन कुरीतियों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने बताया कि दहेज प्रथा और नशे की लत समाज के लिए घातक हैं और इनके कारण कई परिवार बर्बाद हो जाते हैं। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि जेल में बंद अधिकतर कैदी दहेज प्रथा से जुड़े मामलों के कारण सजा काट रहे हैं। ऐसे में समाज को इन बुराइयों से मुक्त करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। राज्यपाल जी ने कहा कि वे इस अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाएं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दें।

राज्यपाल जी ने प्रधानमंत्री जी की स्वामित्व योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि विवादों का समाधान हो रहा है। ग्रामीण संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है, जिससे भूमि के स्वामित्व को लेकर होने वाले विवाद समाप्त हो रहे हैं। यह योजना न केवल कानूनी समस्याओं को कम कर रही है, बल्कि ग्रामीण विकास में भी सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने नवाचार की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रतिबद्धता के साथ अपने लक्ष्यों को पूरा करने और दूसरों को भी प्रेरित करने की सलाह दी। अंत में, उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर विशेष सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, श्री गिरिजेश कुमार त्यागी ने प्रदेश में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के **75** जिलों में उच्च शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा संस्थानों से जुड़े **3,21,000** छात्र-छात्राएं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।
डॉ. मंजू सिंह, राज्य संपर्क अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, उत्तर प्रदेश शासन, ने राज्यपाल जी द्वारा स्थापित विभिन्न गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और उनकी अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राज्यपाल जी ने स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति, दहेज विरोधी आंदोलन, गरीबी उन्मूलन, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण जैसे विषयों पर विशेष बल दिया और छात्रों को इन अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।
एनएसएस क्षेत्रीय निदेशक, लखनऊ, श्री समरदीप सक्सेना ने गणतंत्र दिवस परेड के लिए स्वयंसेवकों के कठिन चयन प्रक्रिया की जानकारी दी और बताया कि एनएसएस के युवा कार्यक्रमों जैसे नैशनल यूथ पार्लियामेंट, अनुभवात्मक कार्यक्रम, सेवा से सीखें, सड़क सुरक्षा अभियान और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में छात्रों की भागीदारी उल्लेखनीय रही है।
इस अवसर पर श्री राजेश तिवारी, युवा अधिकारी, डॉ. अमरेंद्र कुमार, लखनऊ विश्वविद्यालय कार्यक्रम समन्वयक, श्री शुभंकर, श्री अश्विनी (राष्ट्रीय सेवा योजना, भारत सरकार) सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सम्पर्क सूत्र
डॉ**0** संगीता चौधरी-सूचना अधिकारी/राजभवन
मो**0-9161668080**